

संपादकीय

सत्ता का मद ठीक नहीं

राजनीतिक दायरे में अगर सबसे तीखी जुबान बोलने वाली शक्ति की पहचान की जाए, तो उसमें आज की सत्ताधारी पार्टी और उसके पुराने एवं वर्तमान नेताओं के नाम संभवतः सबसे ऊपर की श्रेणी में आएंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि मामले में सजा सुनाने और उसके बाद उनकी संसद सदस्यता खारिज करने की पूरी प्रक्रिया पर अगर गंभीरता से सोचा जाए, यह कहने का पूरा आधार नजर आता है कि ये पूरा प्रकरण कानून नहीं, बल्कि राजनीतिक है। मुमकिन है कि लंबी अवधि में राहुल गांधी कानूनी प्रक्रिया से भी इसमें कुछ राहत हासिल कर लें। लेकिन यह उन्हें और उनके सलाहकारों के सामने भी अवश्य ही स्पष्ट होगा कि इस चुनौती का मुकाबला राजनीतिक मोर्चे पर ही किया जा सकता है। गौरतलब यह है कि राहुल गांधी को लोकसभा से निकालने की एक अन्य प्रक्रिया सत्ताधारी पार्टी ने शुरू कर रखी थी। अडानी प्रकरण पर सदन में उन्होंने जो भाषण दिया, उससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेषाधिकार हनन बताने वाला एक प्रस्ताव अभी स्पीकर के विचाराधीन था। इस बीच 2019 के मामले में अचानक न्यायिक प्रक्रिया असामान्य रूप से तेज की गई और उससे उन्हें संसद से निकालने का रास्ता निकल आया। संभवतः सत्ता पक्ष को यह रास्ता कम जोखिम भरा मालूम पड़ा होगा।

इसलिए कि अगर विशेषाधिकार हनन मामले में उन्हें सदन से निकाला जाता, तो उसे संसदीय बहुमत के अत्याचार के रूप में पेश करना अधिक आसान होता। जबकि फिलहाल, इसे न्यायिक प्रक्रिया का परिणाम बताया जा रहा है। लेकिन सच की एक आदत यह होती है कि वह छिपता नहीं है। इसीलिए सत्ता पक्ष से जुड़ा कोई व्यक्ति भी इस बात के मुतामईन नहीं होगा कि राहुल गांधी को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के जरिए सदन निकाला दिया गया है। अगर न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल ना भी उठाए जाएं, तब भी यह प्रश्न तो कायम है कि राजनीतिक विमर्श और आपराधिक न्याय प्रक्रिया के दायरे में ले जाने की रणनीति आखिर किसने अपनाई है? राजनीतिक दायरे में अगर सबसे तीखी जुबान बोलने वाली शक्ति की पहचान की जाए, तो उसमें आज की सत्ताधारी पार्टी और उसके पुराने एवं वर्तमान नेताओं के नाम संभवतः सबसे ऊपर की श्रेणी में आएंगे। इस रूप में तो उनकी सियासत हमेशा खतरों में रहेगी। या सत्ताधारी नेता यह भी मानने लगे हैं अब यह सत्ता स्थायी रूप से उनकी हो गई है?

पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए स्मार्ट शहर, गांव का विकास महत्वपूर्ण : गडकरी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए जरूरी है कि स्मार्ट शहरों और गांवों का विकास किया जाए और इस काम में सार्वजनिक-निजी भागीदारी हो।



गडकरी ने कहा, स्मार्ट सिटीज भारत की सफलता की कहानी हैं। इस क्षेत्र में हमारे पास अपार संभावनाएं हैं और मैं व्यक्तिगत रूप से इन पर काम कर रहा हूँ। वह सोमवार को यहां प्रगति मैदान में तीन दिवसीय इकाइयों, नवप्रवर्तकों, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों एवं स्टार्ट-अप को नेटवर्किंग की क्षमता का लाभ उठाकर कारोबार के अवसर बढ़ाने एवं नयी साझेदारियां करने का मौका देगा। उद्घाटन समारोह में

शहर नियोजन एवं प्रबन्धन में आधुनिक तकनीकों एवं डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करना होगा।

हिमन ने कहा कि उनके देश स्लोवाकिया में शहरों में सार्वजनिक परिवहन, ऊर्जा, वर्धजल प्रबन्धन एवं सार्वजनिक सुरक्षा के लिए पहले से स्मार्ट समाधानों को अपनाया जा रहा है।

एकज्जीबिशन इंडिया ग्रुप की प्रबंध निदेशक चन्द्रिका बहल ने कहा, तीस

सालों से हम कॉन्वर्जेंस इंडिया सीरीज एक्सपो के माध्यम से भारत के तेजी से विकसित होते डिजिटल तकनीक उद्योग के लिए अवसरों का निर्माण कर रहे हैं। इस बीच स्मार्ट सिटीज इंडिया एक्सपो भी स्मार्ट सिटीज मिशन के साथ तालमेल बना रहा है। पहले दिन 14 सत्रों की परिचर्चा में 65 से अधिक वक्ताओं ने हिस्सा लिया।

(आईटीपीओ) एवं एकज्जीबिशन इंडिया ग्रुप (ईआईजी) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

एक विज्ञप्ति के अनुसार तीन दिवसीय आयोजन देशी-विदेशी इकाइयों, नवप्रवर्तकों, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों एवं स्टार्ट-अप को नेटवर्किंग की क्षमता का लाभ उठाकर कारोबार के अवसर बढ़ाने एवं नयी साझेदारियां करने का मौका देगा। उद्घाटन समारोह में

स्लोवाक गणराज्य के आर्थिक विभाग के मंत्री मरेल हिमन भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा, जैसा कि श्री गडकरी ने कहा है, विकास महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें अपनी प्रकृति और पर्यावरण एवं लोगों को भी सुरक्षित रखना है। हमारा मानना है कि शहरी विकास का भविष्य आधुनिक तकनीक में निहित है। आने वाले समय में हमें

अर्चना ने इंडियन ग्रां प्री2 में 100 और 200 मीटर की दौड़ जीती

तिरुवनंतपुरम। तमिलनाडु की अर्चना सुसैंदन ने एएफआई इंडियन ग्रां प्री2 में 100 मीटर फाइनल में हिमा दास को हराया और 200 मीटर में भी उसके अयोग्य करार दिए जाने का फायदा उठाकर स्वर्ण पदक जीता। अर्चना ने 100 मीटर की दौड़ 11.52 सेकंड में जीती जबकि हिमा उनसे 0.22 सेकंड पीछे रही। वहीं 200 मीटर की दौड़ उन्होंने 23.21 सेकंड में पूरी की। पुरुषों के शॉटपुर्न में तेजेंद्र

पाल सिंह तूर ने 19.76 मीटर के श्रो के साथ पीला तमगा जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता केरल के एडोस पॉल ने पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा 16.27 मीटर के साथ जीती। केरल के ही कार्तिक उन्नीकुण्ण और अब्दुल्ला अब्बाकर दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पुरुषों की सी मीटर दौड़ में हरियाणा के संजीत सिंह ने ओडिशा के अमिय कुमार मलिक को हराया।

आरबीआई अगले महीने रोक सकता है रेपो रेट बढ़ोतरी : एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के रिसर्च विंग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगले सप्ताह की बैठक के दौरान रेपो दरों में लगातार बढ़ोतरी पर रोक लगा सकता है। सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा- हमें उम्मीद है कि आरबीआई अप्रैल में नीति को रोक देगा, अप्रैल में रकने के लिए उसके पास पर्याप्त कारण हैं। किफायती आवास ऋण बाजार में भारी मंदी की चिंताएं और वित्तीय स्थिरता की चिंताएं प्रमुख



स्थान ले रही हैं, एसबीआई की शोध रिपोर्ट का शीर्षक एमपीसी बैठक की प्रस्तावना (प्रिव्यूड टू एमपीसी मीटिंग) है। आरबीआई की दर निर्धारण एमपीसी की बैठक 3 से 5 अप्रैल के बीच होने वाली है। एसबीआई की रिपोर्ट में आगे उल्लेख किया गया है

कि रिस्ट की कोर मुद्रास्फीति पर चिंता उचित है, यह ध्यान दिया जा सकता है कि पिछले दशक में औसत कोर मुद्रास्फीति 5.8 प्रतिशत पर है और यह लगभग संभावना नहीं है कि मुख्य मुद्रास्फीति भौतिक रूप से 5.5 प्रतिशत और नीचे गिर सकती है चूंकि स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च में महामारी के बाद बदलाव और ईंधन की कीमतों के उच्च स्तर पर बने रहने के साथ परिवहन मुद्रास्फीति का घटक बाधा के रूप में कार्य करेगा। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर

टिप्पणी करते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, हाल ही में घोषित फेड बैंक टर्म फंडिंग प्रोग्राम विंडो से बैंक उधारी से पता चलता है कि एक बड़े बैंक संक्रमण की आशंका कम हो रही है, हालांकि बड़े बैंकों की कीमत पर छोटे बैंकों की जमा राशि में गिरावट जारी है।

एसबीआई की शोध रिपोर्ट में कहा गया- ऐसा लगता है कि छोटे बैंक किसी भी डिफॉल्ट रज पर काबू पाने के लिए फंडिंग से रक ले रहे हैं। इस प्रकार, वैश्विक परिस्थितियां अभी भी विकसित और तरल हैं।

आईआईएचएल और टॉरेंट के बोली लगाने पर रोक के कारण सीओसी की परिसमापन पर नजर

नई दिल्ली। रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं को नीलामी के दूसरे दौर की नीलामी में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि कहा जा रहा है कि बोली लगाने वाले दिवाला समाधान के तहत दूसरे दौर के लिए उत्सुक नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी नीलामी से जुड़े मामले को अगस्त में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 मार्च को टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स की एक अपील को स्वीकार किया था, जो नीलामी का एक और दौर आयोजित करने के ऋणदाताओं के फैसले के खिलाफ 8,640 करोड़ रुपये के साथ सबसे अधिक बोली लगाने

वाला था। कोर्ट ने दूसरे दौर की नीलामी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। उल्लेखनीय है कि आरसीएपी की दिवाला प्रक्रिया 450 दिनों से अधिक समय से चल रही है, जो कि 330 दिनों की समय सीमा से काफी अधिक है। टॉरेंट ने कथित तौर पर हाल ही में उधारदाताओं को बताया कि वह नीलामी के दूसरे दौर में भाग लेने के लिए तैयार नहीं है। हिंदुजा समूह के अन्य बोलीदाता, इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड ने भी कथित तौर पर उधारदाताओं को सूचित किया कि वह 9,000 करोड़ रुपये की अपनी संशोधित बोली वापस

लेना चाहता है, जिसे उसने नीलामी प्रक्रिया के बाद बनाया था, और पहले दौर में 8,110 करोड़ रुपये के घुटने प्रस्ताव को बरकरार रखा। इन घटनाक्रमों ने आरसीएपी समाधान प्रक्रिया से वसूली को अधिकतम करने के लिए 9,500 करोड़ रुपये के आधार मूल्य के साथ दूसरे दौर की नीलामी आयोजित करने के लिए लेंदादों की समिति (सीओसी) की योजना में बाधा डाल दी है। इसके अलावा, एक कंसोर्टियम ने नवंबर में रिलायंस कैपिटल के लिए बाध्यकारी बोली प्रस्तुत की थी और अब अपनी 75 करोड़ रुपये की बयाना राशि की वापसी की मांग की है।

जबकि सीओसी विस्तारित चुनौती तंत्र का अनुसरण कर सकता है, नीलामी का परिणाम सवांच न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन होगा। इसके आलाोक में, यदि ऋणदाता और बोली लगाने वाले गतिरोध को समाप्त करने के लिए एक व्यावहारिक समाधान तक पहुंचने में विफल रहते हैं, तो रिलायंस कैपिटल परिसमापन की ओर देख रही है। यदि वे परिसमापन के लिए जाते हैं तो उधारदाताओं को 13,000 करोड़ रुपये मिलेंगे। टॉरेंट ने अपनी पहले की बोली 8,640 करोड़ रुपये की सीमा के साथ स्विस चैलेंज नीलामी आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है।

लखनऊ से गोवा व अहमदाबाद के लिए सीधी उड़ानें

लखनऊ। अकासा एयर ने लखनऊ से गोवा और अहमदाबाद के लिए सीधी उड़ानें शुरू की हैं। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीसीएसआईए) के एक प्रवक्ता के अनुसार, अब लखनऊ से औसत दैनिक उड़ानों की संख्या बढ़कर



128 हो जाएंगी। प्रवक्ता ने कहा, अकासा एयर के साथ, हम लखनऊ से 24 वें घरेलू गंतव्य के रूप में नए गोवा मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़कर प्रस्तन हैं। इसके साथ ही हमारे पास लखनऊ को गोवा से जोड़ने वाली तीन एयरलाइंस हैं, अन्य दो एयरलाइंस एयर एशिया और इंडिगो हैं। अकासा एयर भी एक लॉन्च कर रही है। लखनऊ को अहमदाबाद से जोड़ने वाली नई उड़ान, हवाई अड्डे से उनकी सामाहिक प्रस्थान संख्या 35 तक है। अहमदाबाद के लिए उड़ान भरने वाली दूसरी एयरलाइन इंडिगो है। लखनऊ एयरपोर्ट से गोवा के लिए रोजाना नॉन-स्टॉप फ्लाइट दोपहर 2.15 बजे और अहमदाबाद

आज का राशिफल

मेष : आज आपके पास पर्याप्त समय होने पर भी व्यस्त ही रहेंगे। योग, प्राणायाम अवश्य करें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे।
वृष : आप आज खुद को रोजाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को जरूरत से ज्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें। अगर आप लम्बे वक्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-खासा फायदा हासिल कर सकते हैं।
मिथुन : आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचे जो आपको चोट पहुंचा सकते हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं। हालांकि आपको इससे घबराने की जरूरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी।
कर्क : घर की जरूरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है।
सिंह : अपने शरीर की थकावट मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की जरूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है। जरूरत से ज्यादा खर्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें।
कन्या : आज आपका दिन मनोनुकूल रहेगा। शारीरिक लाभ मिलेगा। अनुभवों लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आखिरी वक्त पर टल सकती है।
तुला : आज का दिन फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीजें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अक्वल रहेंगे। धार्मिक रूचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाए रखें लक्ष्मी वास होगा।
वृश्चिक : आज आपका ऊर्जा से भरपूर, जिंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज्यादा ही ऊंचा तय कर सकते हैं।
धनु : मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। मित्र मण्डली का सकारात्मक सहयोग रहेगा।
मकर : आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहेगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें। खुद के लिए समय निकालें। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की जरूरत है।
कुंभ : आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रख से प्रभावित होंगे और उसे साराहेंगे। नई चीजों को सीखने की आपकी ललक काबिल-ए-तारीफ है।
मिथुन : अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सौच समझकर पैसा निवेश करने की जरूरत है।

ज्यादा पपीते का सेवन भी हो सकता है आपके लिए हानिकारक, जानिए कैसे

विशेषज्ञ स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार को अपनी डाइट में शामिल करने के लिए भी बोलते हैं। सही मात्रा में सही खानपान सेहत को दुरुस्त रखता है, साथ ही कई बीमारियों से बचाव और इलाज में भी लाभदायक होता है। पौष्टिक आहार के बारे में बात आती है, तो सबसे पहली सब्जियाँ और फलों का जिन्न भी देखने के लिए मिलता है। स्वस्थ रहने के लिए हमेशा हरी सब्जियाँ और फलों के सेवन के लिए बोला जाता है। वहीं किसी रोग विशेष में भी डॉक्टर किसी खास सब्जी या फल के सेवन को डाइट में शामिल करने का हमेशा ही बोलते हैं। इन पौष्टिक आहारों में पपीते का नाम भी जोड़ा जा चुका है। विशेषज्ञों का इस बारे में कहना है कि, पपीता सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है। पपीता का सेवन करने से कई तरह के रोगों से छुटकारा मिलता है। हालांकि पपीता कई बार हानिकारक भी हो सकता है। यदि आप भी पपीते का रोजाना सेवन करते हैं तो जान लीजिए कि पपीता आपके लिए कितना फायदेमंद और हानिकारक हो सकता है।



करता है पपीते के बीज का उपयोग करते पाचन प्रक्रिया को बेहतर कर सकते हैं। पपीता में पाए जाने वाले औषधीय गुण आंशों की सुरक्षा के लिए लाभकारी हैं। गठिया के मरीजों को पपीते का सेवन करना चाहिए, उसके लिए पपीता उपयोगी है। त्वचा की रंगत में सुधार के लिए पपीता लाभकारी है।

पपीता के सेवन के नुकसान :

गर्भावस्था में पपीते का सेवन नहीं करने के लिए मना किया जाता है। पपीते में लेटेक्स पाया जाता है तो गर्भावस्था के संकुचन का कारण बन सकता है। जिससे गर्भपात, प्रसव दर्द, शिशु में असामान्यताएं भी देखने के लिए मिल सकती हैं। स्तनपान कराने वाली माताओं को पपीते के सेवन से बचने के लिए बोलते हैं। उच्च मात्रा में पपीते का सेवन पीलिया की समस्या को बढ़ावा भी देते हैं। पपीते का अधिक सेवन नाक में कंजेशन, इनफ्लूएंजा, दमा जैसी सांस संबंधी परेशानी का सामना भी करना पड़ सकता है। गुर्दे की पथरी की समस्या भी अधिक पपीते के सेवन की वजह से हो सकती है। एक साल से कम उम्र के बच्चों के लिए पपीते का सेवन हानिकारक हो सकता है।

फिल्म गेम चेंजर का पहला पोस्टर जारी, राम चरण का दिखा दमदार अवतार

साउथ के सुपरस्टार राम चरण पिछले काफी समय से फिल्म आरसी 15 को लेकर सुर्खियों में थे। यह वही फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री कियारा आडवाणी उनकी जोड़ीदार होंगी। काफी समय से प्रशंसकों को इस फिल्म के नाम का इंतजार था और अब आखिरकार राम चरण ने सोशल मीडिया पर ऐलान कर दिया है कि उनकी फिल्म का नाम गेम चेंजर होगा। आइए जानते हैं और क्या कुछ जानकारी मिली है।



राम चरण ने एक वीडियो ट्विटर पर साझा किया और इसके साथ लिखा, फिल्म का नाम है गेम चेंजर। फिल्म के निर्देशक एस शंकर ने अभिनेता को जन्मदिन की बधाई देते हुए अपनी इस फिल्म के नाम से पर्दा हटाया। उन्होंने लिखा, रील लाइफ में उम्र और साहसी और रियल लाइफ में बहुत प्यारे और आकर्षक राम चरण को जन्मदिन मुबारक हो। गेम चेंजर में राम चरण और कियारा के अलावा अंजलि, समुथिरकानी, एसजे सूर्या और श्रीकांत भी शामिल हैं।

शब्द सामर्थ्य- 17

बाएँ से दाएँ

1. वात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू)
2. अलावा, अतिरिक्त
3. प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि
4. गहरा नीला, काला
5. व्याकुल, बेसुर
6. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द
7. उपर से नीचे
8. कल्पित पक्षर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है
9. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य
10. अनुकृति, असली का विलोम
11. अयोध, नासमझ
12. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध नदी
13. व्याकुल, बेसुर
14. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द
15. उपर से नीचे
16. कल्पित पक्षर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है
17. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य
18. पुस्तक
19. बहादुर, वीर
20. सैनिक
21. नीच, अधम
22. ए. प्रामाण, झुकना
23. भ्रष्ट-पोषण करना, परवर्षण करना, छोटा झुला, हिंडोला
24. प्रमाण, प्रमाणिक कथन
25. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शक्ति (उ.)
26. विजली, तड़ित
27. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 016 का हल

प	सं	द	सिं	हा	स	न
ख	म	ज	दू	र	का	म
वा	द	क	र	सं	व	ल
इ	ल	ज्वा	म	स्का	य	
बा	अ	कि	हा	र		
सु	धा	क	र	न	औ	
रं	म	कि	ता	व	स	
ग	अ	र	सा	हु	ज्ज	त
श	कल	न	मि	त	न	

सू-दोकू- 17

	3		7			2	1
2			9		4		
7		1			5		
	5	1		5		2	7
		4		1		4	
		4		1		8	5
1		5		3		9	
	2		6		5		1

नियम

1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनाता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएँ से दाएँ और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कालार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोकू क्र. 016 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3